B.Com. (HONS)
Pt- A/cs & finance.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.
Date - 06.07.2020.

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

UNIT - I

TOPIC - MEANING OF COST ACCOUNTING.

सामान्यतः लागत लेखांकन, लेखांकन की एक विशिष्ट शाखा है, जिसके अंतर्गत किसी वस्तु या सेवा के उत्पादन से संबंधित विभिन्न व्ययों का लेखा इस प्रकार किया जाता है ताकि उत्पादित की जाने वाली वस्तु या सेवा की कुल तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात हो सके एवं नियंत्रण व प्रबंध के मार्गदर्शन हेतु आवश्यक सूचनाएँ एवं आँकड़े व्यवस्थित रूप से प्राप्त हो सकें। दूसरे शब्दों में, लागत लेखांकन, लेखांकन की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें लागत ज्ञात करने एवं लागत पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से व्ययों का लेखा किया जाता है, तथा प्राप्त सूचनाओं से लागत का विधिवत विश्लेषण व नियंत्रण करना संभव होता है।

प्रमुख विद्वानों द्वारा लागत लेखांकन की दी गई परिभाषा इस प्रकार है —

1. वाल्टर डब्ल्यू बिग के अनुसार — "लागत लेखांकन व्ययों का एक ऐसा विश्लेषण एवं वर्गीकरण है, जिससे उत्पादन की किसी विशेष इकाई की कुल लागत शुद्धता पूर्वक ज्ञात हो सके और साथ ही यह भी ज्ञात हो सके कि कुल लागत किस प्रकार प्राप्त हुई है।"

2. एल० आर० डिक्सी के अनुसार — "लागत लेखांकन वित्तीय लेखांकन के सहायक लेखे हैं जो किसी संस्थान या उसके किसी विभाग की क्रिया की विस्तृत लागत से संबंधित

सूचनाएँ प्रदान करने के लिए तैयार किये जाते हैं।"

3. **कोहलर के अनुसार** — "किसी वस्तु के निर्माण या किसी उपकार्य पर प्रयुक्त सामग्री तथा श्रम का खातों में लेखा करने की प्रणाली को लागत लेखांकन कहा जाता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि लागत लेखांकन, लेखांकन की एक विशिष्ट शाखा है जिसका प्रयोग मुख्य रूप से निर्माणी अथवा सेवा प्रदान करने वाली संस्थाओं में उत्पादित वस्तु या प्रदान की जाने वाली सेवा की कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि —

लागत लेखांकन जिसका वास्तविक अर्थ उत्पादों अथवा सेवाओं की लागत निश्चित करने के लिए नियंत्रण प्रबंध के मार्गदर्शन हेतु समुचित रूप से संग्रहित आंकड़ों को प्रस्तुत करने के लिए व्ययों के वर्गीकरण, अभिलेखन एवं व्यवस्थित विभाजन से है। परिभाषाओं व तथ्यों के अवलोकन के आधार पर लागत लेखांकन की निम्नलिखित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं। —

(i) सामान्य लेखांकन की एक विशिष्ट शाखा का होना।

(ii) कला व विज्ञान दोनों ही होना।

(iii) व्ययों का वर्गीकरण, अभिलेखन एवं व्यवस्थित विभाजन का होना।

(iv) उत्पादित वस्तु या सेवा की कुल लागत व प्रति इकाई लागत ज्ञात करना।

(v) चालू-कार्य (Work-in Progress) की लागत ज्ञात करना।

(vi) प्रदत्त सूचनाओं के आधार पर अनेक समस्याओं के निराकरण करने में प्रयोग किया जाना तथा

(vii) लागत के तत्वों पर प्रभावित नियंत्रण रखने में सहयोग प्रदान करना।

Scanned with CamScanner

SCOPE OF COST ACCOUNTING

लागत लेखांकन के क्षेत्र:

लागत लेखांकन का प्रमुख उद्देश्य उत्पादों अथवा सेवाओं की लागत ज्ञात करना एवं लागत पर नियंत्रण करना होता है. इसके क्षेत्र निम्नलिखित हैं —

(i) लागत वर्गीकरण: → व्यय की प्रकृति के विभिन्न लागतों को अलग-2 वर्गों में विभाजित करना होता है. यह विभाजन लागत प्रभाग के आधार पर किया जाता है.

(ii) लागत निर्धारण: → किसी संस्था द्वारा उत्पादित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं अथवा कार्यों, ठेकों या प्रक्रियाओं की कुल तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात करना होता है.

(iii) लागत नियंत्रण: → लागत लेखांकन के द्वारा लागतों पर नियंत्रण स्थापित करना प्रमुख उद्देश्य होता है, क्योंकि इससे न्यूनतम लागत पर अधिकतम एवं श्रेष्ठतम उत्पादन हो सके. इस संबंध में [redacted] बजटरी नियंत्रण व प्रमाप लागत नियंत्रण तकनीक का प्रयोग किया जाता है.

(iv) लागत में कमी: → लागत नियंत्रण के साथ-2 लागत लेखांकन लागत में कमी करने के उद्देश्य अपव्ययों को रोकने का प्रयास करता है.

(v) प्रबंधकों का मार्गदर्शन करना: → प्राप्त सूचनाओं के आधार पर प्रबंधकों द्वारा अनेक प्रकार के निर्णय लेने में मार्गदर्शन का कार्य करती है. जैसे: हानि की स्थिति में बिक्री करें या उत्पादन बंद कर दें, तथा विभिन्न वैकल्पिक उत्पादकों में से कौन सी वस्तुओं का उत्पादन किया जाए आदि. —

Scanned with CamScanner

(v) विक्रय मूल्य निर्धारित करना :→ प्रतिस्पर्धा का सामना करने तथा उचित लाभ अर्जित करने के लिए उचित विक्रय का निर्धारण ~~करने~~ करने में सहायक होना।

(vi) वैधानिक अनिवार्यता का पालन :→ कंपनी अधिनियम की धारा 209(1)(d) के अनुसार केन्द्र सरकार द्वारा लागत लेखे रखने की अनिवार्यता को पूरा करना।

(vii) लागत अंकेक्षण :→ लागत अभिलेखों की जाँच करना लागत अंकेक्षण कहलाता है, अतः लागत लेखांकन की परिशुद्धता व विश्वसनीयता हेतु लागत अंकेक्षण अनिवार्य होता है। इससे सामग्री नियंत्रण तथा अशुद्धियों व कपटों को ढूँढने में सहायक साबित होता है।

———— x ————